

ASHA K.

SPRING 1902

1.002

ॐ नमः ॥ ग्राहवा नो नमः ॥ नव नारिया विवि विधन ॥ आचमन ॥
 नैकां ग्राहं श्रीं आत्मन त्वाय नमः ॥ नैकां ग्राह त्वाय नमः ॥ नैकां ग्राह वि
 त्वाय नमः ॥ नैकां आयादि ॥ मासन कुरु आदिन ॥ पानाम ॥ ॐ नैकां
 ॥ अथानगा ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥
 ॐ नित्यान नमः ॥ नैकां मक्ष मात्या नमः ॥ नैकां ॐ अनामिका त्या नमः ॥ नैकां ॐ
 कनिष्ठा त्या नमः ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥
 यत्तु वामन वाय मालका थस ॥ ॥

नमः ॥
 ॐ नैकां ग्राह ॥ नैकां ॐ निरवाये गोष ॥ नैकां ॐ कवचाय ॐ नमः ॥
 नैकां ॐ नैकां ग्राह ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥
 ॐ नैकां ग्राह ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥
 ॐ नैकां ग्राह ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥
 ॐ नैकां ग्राह ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥
 ॐ नैकां ग्राह ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥
 ॐ नैकां ग्राह ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥ नैकां ॐ अमाय रू ॥

य॥ अक्षु विरि वाय॥ दधुसर्गु वाय॥ नक्षु पूजायाय॥ नैश्राक
मलासनाय नमः॥ अनरे ॥ ॐ क्रीं प्राय २ क्रीं सर्वविद्यामा लाकदीपा
य नमः॥ अक्षु पूजा॥ ॐ क्रीं प्राग नयनये ॥ ॐ क्रीं क्रीं नमः॥ ॥ मासपूजा
॥ ॐ क्रीं रं व्रीं धारु दिनमः॥ मृगपूजा॥ ॐ क्रीं वनवदसरुवायुव
रुनाथे क्रीं नमः॥ ॥ स्वानवापूजा॥ ॐ नैसवायने नमः॥ ॥
रामलपूजा॥ ॐ क्रीं रू २ ३ क्रीं मद २ वायनमः॥ ॥ यकापूजा॥ ॐ

क्रीं (मोमीन क्रीं २ क्रीं २ नमः॥ ॥ धनासकलं नायकायाय॥ ॐ क्रीं प्रा
यसू २ ॐ क्रीं प्रायसू २ न क्रीं गायत्री नलाया ॥ नै क्रीं प्रायसू २ क्रीं ४ ३ २ ३
न्यायविष्मरुः दूग्नादवापिरुननायवादयानू॥ धम ननसकल्य
राय॥ ॐ नूअनसकयनमः॥ ॐ नूनकासनायनमः॥ ॐ क्रीं मासिना
यनमः॥ ॐ मद्रकासनायनमः॥ ॐ विधिविसनायनमः॥ ॐ उद्यानास
यनमः॥ ॐ वलम ३ लायनमः॥ ॐ नकार्ये शयोगासनायनमः॥ ॐ सि

हासनायनमः॥ ॥ धनं द्यायूजावैवश्यादावहल्लभ्याषसदवना
 धनयः॥ कल्लेसन॥ वाक्काया॥ अथमासकृत्तनमः॥ ग्राह्यैवसूच्यमि
 नवगावसैयूक्तकवसस्मायनलुमित्थर्थकथासूर्यायजूर्यनमः॥
 न्यासः॥ निंदंजुमायुरुहः॥ निंदंजुमायुरुहः॥ निंदंजुमायुरुहः॥
 निंदंजुमायुरुहः॥ निंदंजुमायुरुहः॥ निंदंजुमायुरुहः॥
 निंदंजुमायुरुहः॥ निंदंजुमायुरुहः॥ निंदंजुमायुरुहः॥

उग्रचन्दी १

नैका निवश्वरा ॥ नैकं निखाय वासु ॥ नैके कवचाय दू ॥ नैको
निनरुया यव व ॥ नैकं अक्राय रु ॥ ॥ न नाकुल पाण पूजा ॥ नैकुल
पाशा सनाय नमः ॥ नैवं व नून द ये नमः ॥ नैयुंगा ला च ऊ म् न वे व ॥ ग
दा वलिं स लं खनी १ नमः द सिन्दू का वलिः कुल सिन र्म निषि क्रु ॥ अः
वारु नादि ४ ॥ ४ नूमडाद गर्भ य नू ॥ नै उग्र च न्दी विद्म दे न व त्या य विद्म दे
उं न्ना कुडिय धा द या य नू ॥ ॥ न ना अर्य पाण पूजा ॥ नै अर्य पाण म

सं॥ गिनर्गदिरुजगुलू॥ वनालयकर्त॥ मर्त॥ सभननामपूर्वक॥ ॥
ॐ नमो नमः॥ ॥ ॐ सं स॥ ॐ मुं धां संपूर्णक वसायधापोदकाय
ॐ जयामिनमः॥ वलिगट्टका॥ ॥ ॐ वा रुनादिरवजन॥ ॐ व
ॐ नमः॥ ॐ व व नमः॥ ॐ नू दायनमः॥ ॐ गं मथेनमः॥ ॐ उ म्ना
येनमः॥ ॐ स न स्वयेनमः॥ ॐ गं जवयेनमः॥ ॐ गं न्वयेनमः॥ ॐ वा
मकीनमः॥ ॐ नं क कायनमः॥ ॐ कं ठ काठकायनमः॥ ॐ प द्मायनमः॥
ॐ म रायमायेनमः॥ ॐ गं रवया लायनमः॥ ॐ वा गिं दिसफम विस्थोनम
ॐ ॥

॥ ॐ आदित्यानवकेग्रह स्थोनमः॥ ॐ नू न्यादिदगलाकपात्र स्थोन
मः॥ ॐ श्वस्त्रामादि अस्त्रविनं कि विस्थोनमः॥ ॐ दी न स्थोनमः॥ ॐ ना
ॐ स्थोनमः॥ ॐ मू दू ले स्थोनमः॥ ॐ कं व ले स्थोनमः॥ ॐ व र्षा स्थानमः॥
ॐ मा सा स्थानमः॥ ॐ पं दं स्थोनमः॥ ॐ अं तु स्थोनमः॥ ॐ नं दं स्थोनमः॥
ॐ थं ग स्थोनमः॥ ॐ वां व स्थोनमः॥ ॐ वा नि स्थोनमः॥ ॐ वा रुनादि॥
ॐ नू मू दादयना॥ ॐ मूलमगु रिनाया ३३ लि॥ ॥ ॐ रि ना अलाननमः॥
ॐ नू राजयद कुं उ य च विनिपु मद् नी कूं रु सदा लकलक लामाशिस

कथं॥ श्व॥ गुर्वुदवमी॥ भन॥ सर्वकामरु लयुर्दं॥ श्वगुर्वुय्यात्वा
 पातुमां॥ श्वनयुर्वुनम॥ धूय॥ दीप॥ जाप॥ नेवाद्य॥ नाम्नादि॥
 श्व॥ श्विनरु॥ ॥ ननाद्रु सकयूजा॥ नुंश्रानम॥ सिन्धुमूढ
 स॥ नुंकीलुद्रुनम॥ स॥ नस॥ नुंकीलुद्रुनम॥ नुंकी
 भारुनास॥ नुंकीनम॥ ॥ हुं यावच्चन्द्रार्कमावृता॥ मली
 ज्ग्राजलाचला॥ नावर्त्यमूर्चिलं कालं॥ चन्द्रस्कायलाहवता

महादेवी। महादेव ४८ वानौ मन्त्रविषय ४॥ नारायण स्तुतिाय नमः।
खदीग नयूजा ४॥ मूलनयूजा ४॥ ७॥ खदीग सयधरु आत्माननजी
आमाकथन ४॥ (मन्त्रविषय। चन्द्र। सूर्या। वायू। पृथ्वी। अग्नी। जल।
आकाश। धरणी। नारायण स्तुतिाय नमः। नारायण स्तुतिाय नमः।
कानामहादेवी दर्शनकावच। देवकाका स्तुति। ननु आदिन। मन्त्रविषयनि
श्चन। (अथ कर्मयाय उल्लेख मन्त्रविषय ४॥ १॥ नारायण स्तुतिाय नमः। मूलम

नमो पूजाय ॥ आवनदस्मीपञ्चनं । नावत्वंस्त्रिनमाचन ७४ ॥ नाः
 यथा फावस्त्रिनरुर्न ४ ॥ सर्वलक्ष्मीयवृद्धिः ३ ॥ सर्वगुरुद्वयाय च
 ४ ॥ अष्टम्यादिदशम्यान् । दग्धोदवीस्त्रिनारुव ७ ॥ ॥ ८ ॥ वनना
 दस्मिदानना ॥ अथ वनना प्रस्त्रिन न विस्त्रायमान ४ ॥ गुच्छकालिल
 क्षीयासनी नश्च । अर्नयकी । अष्टम्यु । नवननाय वस्मनी । सि
 द्विनसज्जादिन । वाधयश्यकाव । स्त्रीलशयमाल ४ ॥ सूरुदकारुद
 ववनमाल ४ ॥ अष्टमीनतिश । नवमि । दस्मीना । दग्धोदवीस्त्रिनशयमान ४ ॥

॥ ७ ॥ ननदग्धवञ्चपूजा ४ ॥ ॥ ननार्थेष्टिनसस्त्रयपूजा ४ ॥ करंश्च
 स ४ ॥ ॐ नत्कुरुनेज्जुमायरु ४ ॥ ॐ द्वा नाजयदज्जुगुष्टात्यनम ४ ॥
 ॐ ॐ उग्रच (गुनर्जनीत्यनम ४ ॥ ॐ त्रिपुमर्दनी मध्वमास्थानम ४ ॥ ॐ द्वा
 ॐ स दानद्वर्जनामिकास्थानम ४ ॥ ॐ त्वामाईस ४ क निष्ठास्थानम ४ ॥
 ॐ नत्कुरुनेकवननकनयष्टास्थानम ४ ॥ ॥ ननाददयादि ४ ॥ खड्ग
 न्यास ४ ॥ ॐ द्वा नाजयदददयायनम ४ ॥ ॐ ॐ उग्रच (गुनिरगस्त्रा ४ ॥

ॐ विष्णुमर्दनामी निरवाये वाषट् ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं सदा वक्र २ क व चाय ह्रीं ॥
 ॐ त्वामांशं स ४ न ग गायनम ॥ ॐ म त्क र व ड ४ अ म्माय रुट् ॥ ॐ नि
 ख ७ ह न्या स ४ ॥ न ना ड ग च ष्टा यू जा ४ ॥ नं ज्ञा धन ग क्काय नम ४ ॥ सिंहा नं ३
 नम हि सा स नाय नम ४ ॥ नं छं रा स नाय नम ४ ॥ नं नि गुरा स नाय नम ४ ॥
 फ १ यान ४ ॥ न यै चामि क वाव ॥ नाना व स्त्राय सा रिता ॥ दिव व स्त्रय न
 धाना ॥ दिवा नं काल ॥ भ रिता ४ ॥ कि नि ठि कृ ७ ला का ने ४ ॥ क यू न म नि नू प
 स नाय नम ४ ॥ ३

सं २

गा वत्त मा ला वि वि उ न ॥ न र्मा न मा ला प ष्व रि ता ॥ जू स्मा द ग रु जा दे वा
 यान व द्रु स ना व रु ४ ॥ सर्वा नं का नं रु का ॥ सूर्य का ठि स म पु र्ता ॥ ख र्म
 स व ग धा च कृ ॥ व ड ॥ कृ ७ ध वा गु रु ॥ व न दं उ म व रु स्का व ॥ ग ल पा ७ स
 भ रि ता ४ ॥ या ग ७ ग र्ज नी रु स्का ॥ ख द्वा ड क ग पा ७ क ४ ॥ वि न्द्र म्द्रा
 न धा सि दि ॥ सिं हा स न प वि सि ता ४ ॥ जू ४ ॥ मि त्वा नि व की ना ॥ म रु
 ष ७ म रु स न नं डी वा नि र्ग ना दे हा ॥ म रु व न य ना क म ४ ॥ रु द यि त्वा रि

शिंहासनसमावृत्ता। महियाससुर्यपिनी॥ तुलं कक्षुयाठा
 नी। क्रो। (धम्य) अविद्याहनी। अयत्मानामहादेवी। सर्वे
 पूज्यकवी। अयात्मदवनादद्या। कात्यायनानमस्तु न॥ अन्
 यथनम॥ ॐ नित्यम् न॥ मूलमन्त्रं नमः ॥ अनी॥ नंदं कुंदां स कुं
 दामहादु (मन्त्र)। लुकात्यायनेनमः ॥ कुं वलिग्ट द्वास्वारा॥
 नतापनिवायुजा॥ नंदं कुंदां कुं द्वा॥ ॐ द्वां यं यं येनमः॥ वलिग्ट
 द्वास्वारा॥ नंदं कुंदां कुं द्वां ॐ द्वां यं यं येनमः॥ वलिग्ट द्वा
 लं २

स्वारा॥ नंदं कुंदां कुं द्वां ॐ द्वां यं यं येनमः॥ वलिग्ट द्वास्वारा॥
 नंदं कुंदां कुं द्वां ॐ द्वां यं यं येनमः॥ वलिग्ट द्वास्वारा॥
 नंदं कुंदां कुं द्वां ॐ द्वां यं यं येनमः॥ वलिग्ट द्वास्वारा॥
 नंदं कुंदां कुं द्वां ॐ द्वां यं यं येनमः॥ वलिग्ट द्वा
 २ स्वारा॥ ॥ नताउ ॐ द्वां यं यं येनमः॥ वलिग्ट द्वा
 श्रीमहादेवी। नमामि नित्यं ॥ नि॥ दादि मियुष्य स कां ॥ कल

क्याये नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ नृनं करवगद्यद के मा
रुग्धवाये नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ निवचुजम २३ वे कामीं
वाग्धये नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ नि ० ० ० नं वे वृ ये नमः
॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ नि नथद धननं वाया ये नमः॥ वलिगु २२
स्वाहा॥ नि यरुवरुमयं ०० न्यायये नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा
॥ नि यनलवशेषयं चामु ०० ये नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ नि ० ० ०

सरुके संमहाल द्वा नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ ०० निव द्वाय
नी वलियूजा॥ ६ ॥ आ वारु मादि या नि मूदा दर्ज य नू॥ ॥ न
वउर्क नम वलियूजा॥ नि द्वा द्वा यालाय नमः॥ वलिगु २२ स्वा
हा॥ नि द्वा द्वा वउ क रे व वाय नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ नि गं
ग नय नि नमः॥ वलिगु २२ स्वाहा॥ नि यो था गि नी त्या नमः॥ व
लिगु २२ स्वाहा॥ ॥ न नो आग्ने को नमः॥ नि गी द्वा कु लपू

धिक् यनमः वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ वायु चक्र सः ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 यगदा रुक्माथ वना धिक् यनमः वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ उ रुक्मा
 सः ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 २ स्वाहा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 ला धिक् यनमः वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ याना ल सः ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 ॐ ॐ ॐ वृद्ध नय द्रुक्माथ स्वर्ग धिक् यनमः वलिं गृह्ण २ स्वाहा

क ३

साग्न सः ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 येनमः वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ जवा रुक्माथ ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 यनमः ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 लाये ॥ वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 नाथय ॥ वलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा
 ग्राकृलग ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा ॥ नैसा सौ स्रं क्वमा

ASHA ARCHIVES

1002

गुरुदेव की आज्ञा

ASHA ARCHIVES

साधसुलवतददायनरुवडुशायापुनपुन॥समयकाय॥नयन
 याय॥दक्षिणाविय॥जयमाद(ग)त्या॥भारुनीकाकाय॥दव
 सकलकचुय॥जयमान।थमनयजयनचकेसकलद॥स्वा
 नकाकायावादवनानाजयमानयनावियसक।थमचुय॥ॐनिमी न
 पूजाविधनरुला॥ ॥नभादंगमीपूजाविधि॥देगमीकूद्रूप
 जाविधिमालकाविधि(थंयाय॥दुधकूद्रुयाथ(थयाका(थंयायमा
 द।

लकीपूजनयाय॥दगमीकूद्रुया(थदपूजनमानकायायशला
 ॥चाननयायमाल॥रुनस्थानननचके॥सिधुलननचके॥
 ऊऊमकाकारवायके॥स्नाननचुयके॥पूजनयायमालका॥रुन
 चनधनामालपूनकाव॥जयमानयनिस्कावियमाल॥जुलीस
 विय॥चन।सिधुव।सौऊऊमकानकावायके॥स्नानचुयके॥
 गाय॥लिगानमालकापूनकाव॥दुर्गातीक्ष्णमाय।गरूप

धूमशाय ६१

ऊयमानकचकसकनदा॥३॥

ककयंकनि।प्रसन्नामुजयकेलादी।रवर्गसिद्धिनम४मुने४॥
ॐङीचूीनम२गङ्गाद्याउय२केरुंरुस्वाहा४॥थनारवङ्गीगथा
काववगुलि।गसाहाग्ययार्गव४॥॥थना॥नभानीमचुनाया
य॥इइलकावावलिविय॥मीम्यालनयावा।नका।यलकानस
दा यलमलामालासनय४॥मनाचावगभवमासयय॥ककनरुला
बी चूयानसनयावादिवन॥थस्वकशंनय॥वाककायाव।जुरी
नचा।लाय॥मनाहालाय।सगमललाय॥सरुननय३दिबेस्व।मन॥व।

खड्गजाता॥

संकविय॥ऊयमानया।वसवधनदसमीसहायावन॥जुरी
संषययाउ४॥उकालंवाहाविज॥कलसथादलषनदवलीषनहाय
॥ऊयमानहाय॥चन।सिधूल।स्वान॥सरुमन॥भाहनीसकनाहनाधूनदा॥इ
यमान।चनन।सिधूल।स्वम्वन।भाहनी।स्वानथ॥नसकलेद॥सकलेद
कनकयनावि।धूनकाव॥वाककायाव॥कुरुकायाव।गकिलवका
य४॥समयानकक।हागयाकावधान॥चक्रयाय४॥वलीविय४॥नैगंगा

ॐ ग॥ श्री कृष्ण लाल गणेशाय नमः ॥ वलिगु ॥ २ ॥ स्वाहा ॥ १ ॥ नंदं मरुत
नवीलममनाय नमः ॥ वलिगु ॥ २ ॥ स्वाहा ॥ १ ॥ नमो वसुधैव कुटुम्बकम्
लीलाय नानन्दे ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥
यावेव ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥
कास्तथा ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥
किनीकालला ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥ नंदं मरुत ॥ १ ॥

खवनी गिउ ला मिका ४१ शनी चमरान ७५। द्वा लामूरवीन। थेव
च४॥ यि ॥ चरु स्मिनी वेवा उरुनी धूर्ङ्गान थ४॥ विषरु रु सर्व सिद्धि
७५ छि ०० चुना थेव च४॥ दूँ काली राश्व दीर्घा। धूमा चिक रु ल यिया ४॥ मी
मानी गा का कद द्वा चान थ। गियु नर्या नगा। ना रु सी था न मा दा च। न का
द्वि वि श्व नू यि ना ४॥ उय क न नो रि सा या। शु क गि न रु उ नो। रु रु वी म
दु मरु का ली। कं काली वि द्धि नान ना ४॥ की न लारी मरु दा च। वा यू व ग म

॥ दसासुचिदिसासुच॥ महियानानवुक्ता ॥ सर्वस्मानानुवरसूचया
गानायागयुक्ता ॥ सभनिकुनिसाधकाशावानकर्मवीन ॥ न्याय्य॥ स
त्यनिष्ठनिदवना॥ गिद्व्याय्ययुक्ताचाया ॥ साधकद्विनिसायन॥ नगलवा
नथग्रवा ॥ जगयावासनाधन ॥ वायिकुपेकवृद्धावा ॥ सममममनमा
हमनुल॥ नोनारूपधनाचाये ॥ वनजाविविधनिचनिसव्वोयिसंभुष्ट ॥ उग
वल्लिगट्टुसर्वदा॥ सनभगनापिदुंनरवा ॥ सर्वभनदुलपदा॥ प्रायद्वय

मयाकर्मयर्कलिजामिनिकर्ग॥ वलियुष्यपदानन॥ संधुष्टममचि
रुका॥ सिद्धिमानिसिद्धिनु ॥ सर्वदासयसाउभ॥ गिवगकीयभद
नाशार्ककावाहंनमाम्यहं ॥ सममुक्तुया ॥ त्यादि॥ ॥ निसमयवलिवि
क्षानं॥ ॥ धूप॥ दीप॥ नेयद्य ॥ साम्नादि ॥ समर्थन॥ जाप॥ मुनि ॥ ज
हमनुनाकार ॥ व्यापकजयनवनाचली ॥ नयलीजस्यसुजन ॥ नस्ममिष्टा
युर्वनम॥ प्राप्तुरुलेनवायद्यादयेवाच ॥ शास्यलोम ॥ उलाभ ॥ कमप

दसदिना नन्दशक्तिगुरुमा॥ गच्छन्त्यायचतुष्कं। अकलकलगतक। य
कंचानवकंचला लायीकन। नमथगुप्तवली। रेनवंधाकजरी॥ व
द्यसदासकलक। लिकोसावरुन। केशवलनवकल। कयाल। नाम्माला॥
खलाअखअरुनक। कायुरुमुं। दालसिर्नगिहुव। ग। वनवलराया
॥ ग्रासासनवदुकनाथ॥ निएसिद्ध॥ क॥ सुखाविजनकाश्चन। जन
धूमधूमकतु॥ गेनीसुन॥ गकिमुकालिना नृदधाना। पायासुनसुवसना

लखिवारुनव॥ सिन्दूरसायमनभाचिगनककुम्भा। निर्जिर्यना
यनपथा। धनदरुलक्ष्मी। विवीकथनमनभादकभक्तधूर्य। पायाद
यंगनपनी। सकलार्थदादा॥ ॥ गेनीकुहाना कियासासुववननिनासा
मिगामकलाखा। सागेनीसाचलदुम्भा। रुगवनिगुरुधम्म। मातृका
धर्मम॥ अ। सावुकासाच। विष्णुगुरुग। सकलारेनवाकेणपात्ता। सा
नकानकनूया। विविधिगुप्तवल्यायागिनालीनमामि॥ ॥ गेनीमहा

मायायादि ॥ वक्रायनीत्यादि ॥ श्यामानका विनशा ननरु ननमिनाम
हमातंगममि. विम्वामिवावुनशा. यिथुनत्रजयनाम सलानतनसारु।
दवीगवद्वसाधवलवलकुशुभावलवलकेसरालि. श्यामभ्राकुत्रिकारवा
॥ विनत्रुगलम्भ. स्नानदिशायमूद्य ॥ ॥ मार्क. ॥ उवावियउप. यल
रुमानुगयावगानी. चक्रदस्यपुचानिकदना. वक्रनोद्वकल्प. देहोवृग
चुदयुमदिनलिनस. गानकल्पयुगावा. शायदिवा. रुवउरुवना. श्रीसंवति य।

का या. जादवीमूधूकेठकयुमथनी. जावउम. अर्द्धनी. जासाशामरियासुनक्य
कनी. जात्रकूवीजाग्या. यासासुमरुनिसु. रु. दयदलनी. यादवदवीगिया
न३ सादवीममवक्रजनी. चञ्जुजयानथनक्रुशु ॥ ॥ डरु. लावृजक. लिंकायः
विगनाथासिद्धिलक्ष्मयना. कात्यनसू. ठिकु. न्दकू. दधवना. नि. शक
पाथाषयला. संसानानवइखयंकजदेना. नि. शक. पापसर्वदा. शी
महात्य. मूषी. रुजाद. गुरुजा. पुनस्मिनापा. उव ॥ ॥ यासानककागि

कुम्भसिन्धुनिरास्यव्यासामार्कवद्विधिपथदलमध्वसंस्तुतिवि
धेवचिरुविषयाख्यपत्नीनरावाश्वरावराविकीयवायुगमामि
कावा॥ दुर्गात्मिकाक्षवायः। गुरुपद्मकुर्यकवि। पुसन्नामुक्तयदह
वा। स्वर्गसिद्धिनमः॥ मुनि॥ यथावाग्युक्षवानीकवचंरुवधुवा
र्णः। गुरुदववीक्षकाः। गुरुशिरुवधुवाः। उयमानस्यघा३स्थ
सुदवनापातीकामनाया। वषवधनमरा। मरादसमिप्राधुन्यखड्ग
मराजुति। नवमि।

जाणसंपुननीमितीस्यपथापचादवाचनयूजानीमीनीस्यउथसा
सुरुलववदायनरुवधु॥ गयनयाय॥ वकाभयाय॥ म३ल
चादकलाधानकुर्य॥ दथुगुलिनकुर्ययल। गकनातुदाववाय
॥ कगवलकायादाव॥ दद्विभविद्या। भारुनीकाकायावविविसर्ज
वायाउरुकाविसर्जनमयाभनय॥ द्विथं॥ धननवनागिपूजा
जिद्रुमा॥ ॥ नगाउग्रचक्रयूजा॥ धनधूनकाव॥ कोमालिजा
स्वानकोयदवकुर्यकयुगमा
काविय

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

लिन॥ ॥ नमोऽस्तुते लयाय पूजा॥ नैकांशं कुं कौ कां कां कुं कौं कां
 मां दीदयेऽस्तु लयाय रुद्रात्रीकानमः॥ खड्गं नमः॥ आवाहं वुं नादि
 खनूमुद्रादं नयन॥ कं कामात्रीविद्महे कामादये विद्महे कृत्वि यवा
 यानु॥ ॥ नमोऽस्तुते लयाय पूजा॥ ॥ लामविलामनः॥ नमोऽस्तुते
 पूजा॥ नैवीलपुननमः॥ नैश्वीलनमः॥ नैश्वीलनमः॥ नैश्वीलनमः॥ नैश्वीलनमः॥
 मः॥ नैकुं नमः॥ १॥ नैश्वीलनायाय॥ ॥ नमोऽस्तुते लयाय पूजा॥ नैश्वीलनमः॥
 नमोऽस्तुते लयाय वज्रलीलाकविय॥ दिक्षि॥ नमोऽस्तुते लयाय पूजा॥ नैश्वीलनमः॥
 निश्वीलन॥

पुष्पा न्यादियूजा विष्मन ॥ नैजू अत्रग क्कायनम ॥ नैमैयूनास
 नायनम ॥ अत्र ॥ कोमावीयनमादेवी। नीलवादिन तेजसो ॥
 हाकूठधनीदेवी। जून्धद्वेनयनविद ॥ विसात्रवदनादेव्या। पूष
 व अतिरानना ॥ स्मि ॥ मा ॥ कृ ॥ लदेव्या। दक्षि। एवगनादेवी ॥ वा
 लमादाय शारुना ॥ वामाचपतिना ॥ जंया ॥ दक्षि। एवान्नयायिन
 । मयूत्रवारुनीदेवी। सर्व ॥ अ ॥ सकनीयना ॥ अत्रपूष्यनम ॥ ॥

[illegible]

धवा नाक वचं रुक्म उवा लना रुक्म दव वी धना नासा की रुक्म उज
यमान स्या वष वधना नवमी मरुया वन कामानी जा गर्य वी पचाप
दवा वन पूजा नामी नी धी य धासा रुक्म ल वल दाय न रुक्म उ ४॥ ग र्धन
याय ॥ क वान चूय ॥ चूया पूजा धून नावा ॥ रुं स रुं ॥ रुं स पूजा ॥
वा रु ॥ उयमान द स्य मरुमी पाव न्य ॥ वृक न सम स चूय ॥ न्यान
चूया ॥ सम स विय ॥ वयन धिया ॥ व का न ॥ स्नान का काय ॥ स्नान वि

य ॥ मी म्या ल ॥ वलि इ इ स नय ॥ व का ॥ पु कान ग म ना व नय ३ ॥ मी
म्या ल स न ॥ ना चान लाय ॥ म ना रु न लाय ॥ स रु न ना य न या व रु
या ॥ रु ॥ रु न न लाय ॥ रु व रु न सी धून ॥ रु ग न ना न ॥ स्नान ना
ना न ना रु व ना धून ना व ॥ उयमान स क ल द य ना विय ॥ न ना
प ना यि ना माल ॥ कुरु गी व न का या व ॥ के रु ल का या व ना न ॥ ग
कि न व द्वा य ॥ न रु न या य ॥ मा का या दा व ॥ व रु या य ॥ रु ॥ रु

यादावयं न॥ धर्मेचकुधूनकाव॥ उयनिकामाल॥ ननावीनरुअ
नयाय॥ धूनकाव॥ कलकशुयमान॥ कलकयुऊनयायमान॥
कलकशुय॥ ब्रुलीसककाय॥ ॐ निमलुअरुमि॥ मलानवमि
॥ मलानदसमिथने मलानवमिदिशान॥ , , , ,

रुअननविधिनादविदीपयागकिविधि॥ निजियकिकियनेमनुसर्व
अयविभाचनं॥ यरुयारुनथभागायातिनगरुपातिन॥ एनादिसर्वका
थर्वपुनसंवीनयागकं॥ ॥ नथच॥ रेववडवाव॥ रगाहसुिनथनना
निमरुिषकलिवाडिना॥ एदानयनूलनचलस्यकदीपयागकं॥ सर्वथन
रुलंदविसेर्वनरुलनकथा॥ सर्वतीथरुलंवापिवानयागनलस्यने॥ वग्न
स्यसाधनंचापिपुण्योशदिसाधनं॥ गरुनाचउयकाभवीनयागनुकान

थ०॥ अथ लघु रथ चापि पुंरुं गुरु पाठा म्वादपि ॥ शनिक मालि सर्वे रदी
 यथा गनु कान थ०॥ अथ लघु रथ नयं सां अलक्ष्म्या यापना शकं ॥ पनचक्र
 रुयं थान मरुता मानी न पदव ॥ अनावे श्वेते सर्वे रदी कया गीयं श्यते ॥ उ
 क्रि मू क्रि यदं चेव वी कया गान यु न वि सर्वे वा ताग्नि धर्मा नदी पया गप
 श्यते ॥ दायगरु लं सर्वे कथि म सिचनान न० ॥ ॥ ॥ ॥
 संमन न डु ले वे श्वेते श्वेते कथि म सिचनान न० ॥ ॥ ॥ ॥

पुषु
 दिनशुभा ॥ थन थदु लिवरु रु सानिवा लं भा क नाग म लवा ला न या न रु भा
 डरु नं का व व थ स स नान म ग ल का द्वा न थ स रु का व था द व ल क्रि नि श च क्रि
 चा द न स चा स रु नि श श्व द रु भा सा द या रु भा या ना ग चा या द ल ल स भ द
 द य स न ल रु द व व ना ग ल या न रु का डरु न म द वा व द न सा च क ल ० थ
 आ क म भा क इ ल य ल चा क च ग ला श्व द थ कू दू म द वा व स ति कू दू उ
 नि दान वा रु स व व वा रु नि व व थ व सि रु न वी ल क न क वू दू म वि व म रु द

पन्वाक्रमनननदव॥थनसतिदवलदनसानाधवदठशाचकल।चाकल
पयाकरवासादाकादशदथनकाकावलिवाचकंसानावदिलिडुवभभासा
वनयाइना॥थनसतिकुद्रुसानाथनालदमसचाकसिदथकुद्रुमदावथ
मसानिकुद्रुचाककाकावसानाथकुद्रुउतिलदनयानकालइना॥
१संभन १०१ अष्टउक्पुर्तुमाज्जुनारुनद्वेसिद्धिथा।गगनिश्च
वालथकुद्रुवकनिमावदुग्रा~~ना~~नाथरुयाकायववइना॥थकुद्रुरुतयि
या।ग्रा~~रु~~रुदचुर्मादवि सिक॥ययाथाखाचका~~र्मा~~नादरुंयाइना॥

१संभन १०१ आषाढउक्पुनियदाआदानद्वेउद्विथा।गज्जुदित्यवानथ
कुद्रुवामडया~~ना~~नमानमउपसदानवियाकासतिसपाययाका~~ना~~
निका~~य~~यगनिश्चवावचवाउसा०चथरुस्यनिजायसतत्रुदथनीयाका
थथयाधनंवासडइना॥थमिया~~ना~~वयाकंलखरुनववकनक
१४दवथथनंमडइना॥दवचनकदवदइना॥

१ श्री ३ वरुकरे नवयादियदानविधि कंठुधनया ॥ दियजंठुदियपाउ
दियकं ॥ श्री मासे पुजा यायकं, गितगा दिय पुजा इया ॥ ०० ॥ कंदवगयानि
पुजायाय वरुकरे या मूल नये जाय ॥ गितगा, साहाभाया, यवनि थुदका
कागहनवया, नवराज, आपुद्रु धालन धून के ॥ अकि पुजा गितगा नविप
कर्मदकारु ॥ ॥ कवय, मूनसरे दिययाय कवपथ ॥ ॥ पूनवननसंक
धयाय ॥ ००० ॥ दियदानविधि, धूपदिययाय, पत्यगिता ॥ ॥ साहाविद्या ॥

गितगा, साहाभाया, कागहनवया, नवराज ॥ देवी मूरु ॥ आपुद्रु धालन पा
थ ॥ उग्रगानान, धून के ॥ ॥ अकि धुया वलिरथय ॥ ॥ नवयाकं नय
कलकाय ००० ॥ वरुकरे नवया वधेदेति ॥
विन्दुपिकानविलिखदकान, अरुपगुविलि अरुहंग, वरुदा
न, वरुनरु उग्रवधुया



